Q1. निम्नलिखित को समझाइये।
(a) रिसाइकिल बिन
(b) कंट्रोल पैनल

रिसाइकिल बिन - हार्डड्राईव में भण्डारित फाईलों तथा फोल्डरों को हटाने पर पूर्ण रूप से समाप्त नहीं होते हैं। ये रिसाइकिल बिन में भण्डारित हो जाते हैं। cut-Paste तथा Drag drop तकनीक द्वारा रिसाइकिल बिन से भण्डारित कर लिये जाते हैं।

रिसाइकिल बिन का आईकन डेस्कटॉप पर प्रदर्शित होता है।

Recycle Bin से फाईलें एवं फोल्डर को पुनः भण्डारित करना →

(1) Recycle Bin के आईकन पर डबल क्लिक कीजिये।
(2) प्रदर्शित फाईलों/फोल्डरों में से चयनित कीजिए।
(3) फाईल मीनू पर क्लिक करने पर फाईल मेन्यू खुल जायेगा उसमें से Restore पर क्लिक कीजिए।

Scanned by CamScanner

Control Panel - Control Panel विभिन्न प्रोग्रामों के icons को प्रदर्शित करता है जो कि कम्प्यूटर को नियंत्रित, विण्डोज तथा प्रतिस्थापित सॉफ्टवेयरों को करता है। इस प्रकार के प्रोग्राम विण्डो के कई भागों को प्रदर्शित करने व उनके गुणों को परिवर्तन करने में सहयोग प्रदान करते हैं।

Control Panel के प्रदर्शन के लिए

START → Control Panel

विभिन्न कार्य जो control Panel द्वारा नियंत्रित किये जाते है।

1. Add new hardware (नये हार्डवेयर का जुड़ाव)
2. Add or remove software
3. Display
4. font
5. Multimedia
6. System
7. Network & sharing centre

Scanned by CamScanner

Q2. सूचना क्या है? सूचना के लक्षणों को समझाइये।

Information- सूचना डेटा का व्यवस्थित स्वरूप है अर्थात डेटा को नियमानुसार व्यवस्थित किया जावें तो सूचना प्राप्त होगी। यदि डाटा को अर्थपूर्ण तरीके से व्यवस्थित किया जावे तो सूचना का निर्माण होगा। जैसे किसी परीक्षार्थी के विभिन्न विषयों में प्राप्तांको से उसकी अंकतालिका बनती है जो कि एक सूचना है।

डाटा की उपलब्धता पर ही सूचना प्राप्ति सम्भव है। डाटा की प्रक्रिया के बाद सूचना उपलब्ध होती है, यह डाटा का नियमानुसार व्यवस्थित रूप है।

Characteristics of Information- सही सूचना से ही सही निर्णय लिए जा सकते हैं। सूचना के गलत होने से निर्णय भी गलत हो सकते है तथा इन गलत निर्णयों का बेरा व समाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अतः सूचना में निम्न लक्षण होने चाहिए।

1. विश्वसनीयता (Reliability)
2. शुद्धता (Accuracy)
3. संक्षिप्तता (Brevity)
4. पूर्णता (Completeness)
5. अर्थपूर्ण (Meaningful)
6. स्पष्टता (clearness)
7. सम्बंधता (connectivity)
8. सामयिकता (Timeliness)

Scanned by CamScanner

(1) विश्वसनीयता - जो सूचना हमें प्राप्त होती है वह पूर्णतया विश्वसनीय होनी चाहिए अन्यथा अनावश्यक परेशानी उत्पन्न हो सकती हैं।

(2) शुद्धता - सूचना का शुद्ध होना अतिआवश्यक है। यदि हम किसी व्यक्ति को पत्र भेजते समय मकान नम्बर गलत लिख देते है तो वह पत्र उस व्यक्ति तक नहीं पहुँचता। अतः सूचना का शुद्ध होना आवश्यक हैं।

(3) संक्षिप्तता - प्राप्त सूचना संक्षिप्त हो तो वह पढ़ने वाले के तुरन्त समझ में आती है और उसे पढ़कर तुरन्त एक्शन लिया जा सकता हैं।

(4) पूर्णता - प्राप्त सूचना अपने सही अर्थो में पूर्ण होनी चाहिए। अपूर्ण सूचनाओं के कारण कई बार बहुत परेशानी हो जाती हैं।

(5) अर्थपूर्ण - जो भी सूचना हमें प्राप्त होती है, वह अर्थपूर्ण होनी चाहिए अर्थात उस सूचना को पढ़कर उस सूचना का अर्थ निकलना चाहिए। अर्थपूर्ण सूचना से ही हम किसी निष्कर्ष पर पहुँच सकते है तथा अपना ज्ञानार्जन कर सकते हैं।

(6) स्पष्टता - प्राप्त सूचना स्पष्ट होनी चाहिए तभी उस पर सही कार्यवाही हो सकती हैं।

(7) सम्मेयता - यह संभव हैं कि प्राप्त सूचना पूर्व सूचनाओं से जुड़ी हुई हैं तथा इसका परिणाम पूर्व सूचनाओं पर आधारित है।

(8) सामयिकता - सूचना का समय पर उपलब्ध होना बहुत जरूरी है, अन्यथा इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हैं।
समय पर प्राप्त सूचना से ही सही निर्णय लिए जा सकते हैं।

Scanned by CamScanner

Q.3. वायरस क्या है? वायरस के दुष्प्रभाव लिखिए तथा इससे सुरक्षा के तरीकों को समझाइये।

वायरस — वायरस एक प्रकार का प्रोग्राम है, जो कि अन्य प्रोग्रामों सॉफ्टवेयरों की भाँति निष्पादित होता है। परन्तु वायरस प्रोग्राम विनाशकारी नुकसान पहुँचाने वाले होते हैं। ये प्रोग्राम अन्य फाइलों के साथ जुड़कर उन फाइलों के सामान्य कार्यों में रुकावट उत्पन्न करते हैं। कभी-कभी तो वायरस प्रोग्राम कम्प्यूटर के महत्वपूर्ण डेटा को नष्ट भी कर देते है तथा इनकी प्रतिलिपि स्वत: ही तैयार हो जाती हैं।

Effects of Virus (वायरस के दुष्प्रभाव) —

1. कम्प्यूटर मे अनुपयोगी सूचना प्रविष्ट हो जाना।
2. महत्वपूर्ण फाइलों के साथ जुड़ जाना।
3. हार्ड डिस्क अथवा फ्लापीडिस्क को फार्मेट कर देना।
4. कम्प्यूटर की गति को कम कर देना।
5. की-बोर्ड लॉक कर देना।
6. प्रोग्राम अथवा फाइलों में डेटा को परिवर्तित कर देना।

Scanned by CamScanner

Security methods for viruses (वायरस से सुरक्षा के तरीके) -

(1) CHKDSK कमाण्ड को AUTOEXEC.BAT फाइल में संयुक्त करने पर डिस्क स्कैन होगी और अगर छुपी हुई फाइलों की संख्या बढ़ती है तो मामले पर रोक आवश्यक है।

(2) पाइरेटेड (Pirated) सॉफ्टवेयर की प्रतिलिपि सिस्टम पर नहीं करें

(3) जब आप वास्तविक सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहे है तो राइट-प्रोटेक्ट का टैग आवश्यक है।

(4) महत्वपूर्ण फाइलों की प्रतिलिपि (Back up) आवश्यक है।

(5) पुनः फोर्मटेड फाइलों का उपयोग कीजिये।

(6) अवांछनीय व्यक्तियों के कम्प्यूटर प्रोग्राम पर पूर्ण प्रतिबन्ध होना चाहिए।

(7) सन्देहास्पद शेयर वेयर प्रोग्राम डाउनलोड़ ना करें।

(8) ऐसे e-mail ना खोले, जो कि अनजान या अनपेक्षित स्त्रोत से आए है।

(9) अपने कम्प्यूटर में सबसे नये Anti-virus डाले।

Scanned by CamScanner